Patrika (Indore), 28th February 2023, Front Page-02

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आज : रिसर्च के साथ पेटेंट में भी अव्वल हमारा आइआइटी, तकनीक से निकाला जा रहा समस्याओं का समाधान

तकनीक का दौर भी इंदौर : सस्ते इवी व कैंसर के किफायती इलाज का इजाद

पत्रिका विशेष

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. समाज, देश और दुनिया के विकास में विज्ञान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मंगलवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाएगा। इस साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान है। इंदौर के शैक्षणिक संस्थानों में कई ऐसी रिसर्च हुई, जिसने दुनिया को लाभ पहुंचाया है। इन संस्थानों में पहला नाम आता है आइआइटी इंदौर का। यहां होने वाली कई रिसर्च क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली साबित हुई हैं। फिलहाल आइआइटी में सस्ते इलेक्ट्रिक व्हीकल (इवी) से लेकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के इलाज की तकनीक ईजाद की जा रही है। आइआइटी के सुनील कुमार का कहना है कि संस्थान तकनीक के सहारे व्यावहारिक समस्याओं का समाधान तलाशने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

20 फीसदी तक सस्ते होंगे इवी

इवी की लागत अधिक होने से ये पेट्रोल से चलने वाले वाहनों का विकल्प नहीं बन पाए हैं। लागत घटाने आइआइटी के इन्क्यूबेशन सेंटर में करीब दो साल की रिसर्च के बाद प्रोटोटाइप तैयार किया गया। इसके लिए जापान के विशेषज्ञों का भी सहयोग लिया। दावा किया जा रहा है कि इससे लागत 20 फीसदी तक कम हो जाएगी। संस्थान को इलेक्ट्रिक वाहनों में लगने वाले इलेक्ट्रॉन मेग्निट्यूड ट्रांजिस्टर के लिए भी पेटेंट मिला हुआ है।

आइआइटी की झोली में पेटेंट ही पेटेंट

अपने दौर के बाकी आइआइटी की तुलना में आइआइटी इंदौर पेटेंट के मामले में बहुत आगे है। कई संस्थानों को साल में बमुश्किल 2 से 3 पेटेंट मिल पाते हैं, वहीं आइआइटी इंदौर कोरोना काल के दौरान भी 13 पेटेंट हासिल करने में कामयाब रहा। अब तक संस्थान 80 से ज्यादा पेटेंट के आवेदन कर चुका है।

हाइटेक अपराधों पर लगेगी लगाम

नकली फिंगर प्रिंट से होने वाले अपराधों को रोकने के लिए भी महत्वपूर्ण रिसर्च को अंजाम दिया गया। दरअसल, कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें नकली फिंगर प्रिंट के जरिए धोखाधड़ी की गई। आइआइटी की टीम ने ऐसा फिंगरप्रिंट बायोमैट्रिक सिस्टम तैयार किया है, जिसमें लगा सेंसर पल्स के आधार पर फिंगरप्रिंट के असली या नकली होने की पहचान करेगा। बैंकिंग मामलों में ये रिसर्च काफी फायदेमंद मानी जा रही है।

तनाव से मुक्ति दिलाता हरे कृष्ण का जाप

आधुनिक तकनीक के जरिए दुनिया का भविष्य संवारने के प्रयासों के बीच आइआइटी में ऐसी भी रिसर्च हुई, जिससे तनाव दूर करने में मदद मिली। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 37 लोगों के मस्तिष्क से निकलने वाले सिग्नल रिकॉर्ड किए। उन्हें 108 बार हरे कृष्ण का जाप सुनाया गया। सिग्नल में पाया कि इस जाप से उन्होंने खुद को तनाव मुक्त महसूस किया। मंत्र जाप के बाद अल्फा बैंड की पॉवर बढ़ती है।

किफायती होगा कैंसर का इलाज

सबसे ज्यादा रिसर्च हेल्थ सेक्टर में हुए हैं। आइआइटी की स्थापना के बाद से ही ल्यूकेमिया लिंफोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) की दवा बनाने की कोशिश शुरू हो गई थी। करीब 12 साल बाद सफलता मिली। खाद्य वस्तु निर्माण के साथ इस एंजाइम का उपयोग पहले से कैंसर की दवा के तौर पर किया जाता रहा है।